द बिशप्स को - एड स्कूल, उँड्री

‘७४वा गणतंत्र दिवस’-वृत्तांत लेखन- २०२३

“आन देश की ,शान देश की,

इस देश की हम संतान है ,

तीन रंगों से रंगा तिरंगा

अपनी यह पहचान है।”

भारत ने १५ अगस्त १९४७ को अपनी स्वतंत्र स्वतंत्रता प्राप्त की और २६ जनवरी १९५० को गणतंत्र बना। इस दिन से स्वतंत्र भारत का नया संविधान लागू हुआ। यह एक राष्ट्रीय उल्लास का दिन है और यह दिन पूरे भारतवर्ष में बड़ी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

हमारे विद्यालय में भी आज का दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है।अतः हम उत्सुकता से इस दिन की प्रतीक्षा करते हैं। हमारे विद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियाँ कुछ दिन पहले ही शुरू हो जाती है।इस शुभ अवसर पर विद्यालय को पूर्ण रूप से सजाया जाता है। इसमें छोटे तिरंगे,सजावट की सामग्री और गुब्बारे का उपयोग किया जाता है।

समारोह का प्रारंभ मुख्य अतिथि कर्नल वैभव दीक्षित जी के स्वागत से हुआ। मुख्य अतिथि का परिचय श्रीमान कोहली जी द्वारा किया गया। परिचय में उन्होंने कहा कि किस प्रकार से दीक्षित जी ने अपने देश भारत के लिए अपनी वीरता का प्रदर्शन किया है। तत्पश्चात विद्यालय के विद्यार्थी प्रतिनिधि अरमान कुट्टी द्वारा विशेष प्रार्थना का वाचन किया गया। इसके बाद विद्यालय के चारों सदनों द्वारा परेड प्रस्तुत की गई ।‘बाइबल’वाचन हमारे विद्यालय के मुख्याध्यापक श्रीमान राल्फ रसल जी द्वारा किया गया।प्राथमिक विद्यालय की पर्यवेक्षिका श्रीमती फर्नांडीस जी ने ईश्वर की प्रार्थना की तथा विद्यालय की प्रतिनिधि छात्रा वर्धिनी गुजराती के द्वारा ‘जहाँ चित्त भय से मुक्त हो’ (*Where the mind is without fear*) का वाचन किया गया।

तदुपरांत इस समारोह के मुख्य अतिथि कर्नल वैभव दीक्षित जी के कर-कमलों द्वारा ध्वज फहराया गया तथा सम्मानपूर्वक सलामी देते हुए राष्ट्रगीत गाया गया और आकाश में गुब्बारे छोड़े गए। यह एक शानदार दृश्य था। तत्पश्चात हमारे विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीमान जूलियन लुक जी ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया तथा जूनियर कॉलेज की समन्वय का श्रीमती डॉ. बैग जी ने ‘प्रतिज्ञा’ का वाचन किया।

हमारे विद्यालय के छात्रों द्वारा देशभक्ति पर आधारित अपने विचार प्रस्तुत किए ।जिसमें हिंदी में तनिष्क वाकसे ने भाषण दिया तो अंग्रेजी में ईशान देशमुख ने दिया तथा छात्रा अनन्या शेट्टी ने देश प्रेम से ओत-प्रोत कविता का वाचन हिंदी में किया। विद्यालय की छात्रा नंदिनी नायर ने देशभक्ति पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने गणतंत्र दिवस का महत्व बताते हुए छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

तदुपरांत कक्षा ६,७ और ८ के छात्रों ने विविधताओं में एकता दिखाते हुए एक नृत्य को प्रस्तुत किया। अंत में कक्षा ८ और ९ के छात्रों द्वारा '*ताकत वतन की हमसे है*' देशभक्ति पर आधारित इस गीत को प्रस्तुत किया। इस समारोह का सुंदर सूत्र संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमान फॉन्सेका जी ने किया।

श्रीमान – सतीश गुत्ते

गॉर्ड ऑफ ऑनर

मुख्याध्यापक बाइबल का वाचन करते हुए ।

प्रधानाध्यापक संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए ।

मुख्य अतिथि कर्नल वैभव दीक्षित छात्रों को संबोधित करते हुए ।

अतिथि कर्नल वैभव दीक्षित, श्रीमती फर्नांडिस एवं डॉ.बेग उत्सव का आनंद लेते हुए।

विविधताओं में एकता नृत्य को प्रस्तुत करते हुए।

देशभक्ति पर आधारित गीत